

असाधार ग

EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उपसण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-retion (

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Wo 121]

नई विरुपि, बृहस्पति शर, अप्रैल 20 1971/जैन 1, 1994 NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 20, 1972/CHAITRA 31, 1894

इस भाग में भिरन पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

CUSTOMS

New Delhi, the 20th April 1972

G.S.R. 251(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 4 of the Finance Act, 1971 (14 of 1971), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest 50 to do, hereby exempts raw cashewauts from the whole of the regulatory duty of customs leviable thereon under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 38-Customs, dated the 17th March, 1972, subject to the following conditions, namely:—

- (i) that the importer makes a declaration at the time of import that the goods are being imported for processing and re-export;
- (ii) that the goods are re-exported in the form of cashew kernels within six months of the date of importation or within such extended period not exceeding one year, as the Collector of Customs may allow; and
- (iii) that the weight of cashew kernels exported is not less than 25 per cent of the weight of cashewnuts imported, or where it is proved to the satisfaction of the Collector of Customs, concerned that the kernels were obtained only from imported raw cashewnuts, such lower

percentage of the weight of the cashewnuts imported, as the Collector of Customs may in each case determine:

Provided that the importer executes a bond with such surety or sufficient security as the Collector of Customs approves, undertaking:—

- (a) to re-export the goods after processing within six months of the date of importation or within such extended period not exceeding one year, as the Collector of Customs may allow;
- (b) to produce the cashew kernels before the Collector of Customs prior to re-export; and
- (c) to pay the duty if the re-export does not take place within the stipulated period.

[No. 80/F. No. 711/71-TR(CUS).]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व ग्रीर बीमा विभाग)

श्र**धि**सूचना

सीमा-शृल्क

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1972,

सा॰का॰िव 251 (म्र). —वित्त म्रिधिनियम, 1971 (1971 का 14) की धारा 4 की उपघारा (4) के साथ पठित, सीमा शुल्क म्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भ्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में ग्रावण्यक है कच्चे काजू को, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व मौर बीमा विभाग) की तारीख 17 मार्च, 1972 की श्रिधसूचना सं० 38 सीमा-शुल्क के मन्तर्गत उस पर उद्ग्रहणीय विनियमन-संबंधी समस्त सीमा-शुल्क से, निम्नलिखित भर्तों के भ्रधीन, एतवृद्वारा कृट देती है, भर्षात् :—

- (i) कि आयातकर्ता आयात करते समय यह घोषणा करे कि माल का आयात प्रसंस्करण और पुनः निर्यात करने के लिए किया जा रहा है;
- (ii) कि माल का पुन: निर्यात भाषात करने की तारीख से छह मास के भीतर या सड़ाई गई ऐसी भ्रवधि के भीतर जो एक वर्ष से भ्रधिक न होगी, जिसे सीमा-कलक्टर भनुसात करे, काजू की गिरी के रूप में किया जाना है; भीर
- (iii) कि निर्यातित काजू की गिरी का भार भायातित काजू के भार के 25 प्रतिशत से कम नहीं है, या जहां सम्पृक्त सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित हो गया है कि गिरी केवल भायातित कच्चे काजू से ही प्राप्त की गई थी वहां भायातित काजू के भार की ऐसी निम्नतर प्रतिशतता जिसे सीमा-शुल्क कलक्टर प्रत्येक मामले में भवध रित करें:

चरन्तु यह तब जब कि श्रायातकर्ता ऐसे प्रतिभू या पर्याप्त प्रतिभूति के साथ जिसे सीमाशुल्क कलक्टर शनुमोदित करे यह वचनबन्ध करते हुए, बन्धपत्र निष्पादित करे कि—-

(क) वह माल का पुनः निर्यात श्रायात करने की तारीख से छह मास के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी श्रवधि के भीतर जो एक वर्ष से ध्रधिक न होगी जिसे सीमा-शुल्क कलकटर श्रनशात करे, प्रसंस्करण कन्ते के पश्चात करेगा;

- (ख) वह काजू की गिरी को पुनः निर्यात करने के पहले सीमा-शुल्क कलक्टर के समक्ष पेश करेगा; और
- (ग) यदि पुनः निर्यात नियत अविधि के भीतर नहीं किया गया तो वह गुरूक का संवाय करेगा।

[सं० 60/फा॰सं० 711/71-टी॰ आर॰ (सीमा॰)]

G.S.R. 252(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and of all other powers hereunto enabling, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 43-Customs, dated the 1st March, 1966.

[No. 61/F. No. 155/72-TR(CUS).]
B. N. SHARMA, Under Secy.

सा०का०नि० 252 (ग्र).—सीमा-शुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का श्रीर इस निमित्त उसको समये बनाने वाली सभी ग्रन्य गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में श्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्य ग्रौर बीमा विभाग) की तारीख 1 मार्च, 1966 की ग्रिधिसूचना सं० 43—सीमा-शुल्क को एतद्दारा विखण्डित करती है।

[सं० 61/फा॰ सं० 155/72-टी॰ आर॰ (सीमा॰)] बी॰ एन॰ शर्मा, श्रवर सचिव।